



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 473]

नई दिल्ली, सोमवार, अक्टूबर 28, 1985/कार्तिक 6, 1907

No. 473]

NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 28, 1985/KARTIKA 6, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर, 1985

अधिसूचना

सं. 225/85-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा. का. नि. 813 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-
शुल्क और नसक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37
द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क
नियम, 1944 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम
बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क
(10 वां संशोधन) नियम, 1985 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 (जिसे इसमें इसके
पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) में, नियम 185 के उप-नियम

(1) में, खण्ड (क) और (ड) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड
रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(क) भू-मार्ग द्वारा निर्यात करने का आशय है तो चार
प्रतियों में ;”।

3. उक्त नियमों के नियम, 186 और नियम, 188 का
लोप किया जाएगा।

4. उक्त नियमों के परिशिष्ट 3 में, “(2) नमूना प्ररूप”
शीर्षक शब्द नीचे, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क शृंखला सं. 61 के
नीचे, —

(1) “प्रारम्भिक भाग में :—

चार प्रतियों में (केवल अफगानिस्तान)”

शब्दों और कोष्ठकों का लोप किया जाएगा ;

(2) प्ररूप ए. आर. 4 (भूमि) में, —

(क) पैरा “2 में हम यह घोषणा करता हूँ/करते हैं”
कि माल का उपरोक्त पारेषण अफगानिस्तान

ईरान

को निर्यात के लिए आशयित है।”

का लोप किया जाएगा ;

- (ख) “अफगानिस्तान को निर्यात” शीर्षक से प्रारम्भ होने वाले और “उप-कौन्सिल जहिदान के हस्ताक्षर” शब्दों पर समाप्त होने वाले भाग का लोप किया जाएगा।

[फा. सं. 209/3/85-सी. एक्स.-6]

अरुण कुमार मिश्र, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 28th October, 1985

NOTIFICATION

NO. 225/85-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 813(E).—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Excise (10th Amendment) Rules, 1985.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Excise Rules, 1944 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 185, in sub-

rule (1), for clauses (d) and (e), the following clause shall be substituted, namely :—

“(d) by land.....
in quadruplicate.”.

3. Rules 186 and 188 of the said rules shall be omitted.

4. In Appendix I to the said rules, under the heading “(II) Specimen Forms”, under the Central Excise Series No. 61,—

- (i) in the opening portion, the words and bracket “Quintuplicate (Afghanistan only)” shall be omitted;

(ii) in Form A.R. 4 (LAND),—

- (a) paragraph “2. I|We hereby declare that the above consignment of goods is intended for export to Afghanistan

Iran”

shall be omitted;

- (b) the portion beginning with the heading “Exports to Afghanistan” and ending with the words “Signature of Vice-Consul, Zahidan.” shall be omitted.

[F. No. 209/13/85-CX.6]

A. K. MISRA, Under Secy.